किरण मजूमदार–शॉ
वैज्ञानिक, उद्यमी

किरण मजूमदार-शॉ का जन्म बेंगलुरु में एक प्यारे और प्यार करने वाले परिवार में हुआ। उनके पिताजी ब्रूमास्टर थे, जो बहुत ध्यान और मेहनत से काम करते थे। छोटी-सी किरण उन्हें देखती और सोचती थी कि विज्ञान से दुनिया कैसे बदल सकती है। वह बहुत जिज्ञासु थी और हमेशा सवाल पूछती रहती थी।

उसने अपने पापा की तरह ब्रूइंग साइंस पढ़ने का फैसला किया और ऑस्ट्रेलिया चली गई। वहां वह अपनी क्लास में इकलौती लड़की थी। लेकिन उसने मेहनत से पढ़ाई की और टॉप किया। जब किरण भारत लौटी, तो वह बहुत उत्साहित थी। वह अपने देश में वैज्ञानिक बनकर काम करना चाहती थी। लेकिन बहुत सी कंपनियों ने उसे मना कर दिया। उन्होंने कहा, "ये काम लड़कियों के लिए नहीं है।"

बैंक ने उसे लोन देने से भी मना कर दिया। किसी को यकीन नहीं था कि एक लड़की बायोटेक्नोलॉजी में सफल हो सकती है। पर किरण ने हार नहीं मानी। सिर्फ ₹10,000 और एक छोटे से गैराज से, किरण ने अपनी कंपनी बायोकॉन शुरू की। शुरुआत में बस एक मशीनिक और थोड़े से उपकरण थे। वह एंजाइम बनाने लगी जो दवाओं में इस्तेमाल होते हैं। धीरे-धीरे उसकी मेहनत रंग लाई।

बायोकॉन ने ऐसी सस्ती दवाइयाँ बनाईं जो कैंसर, डायबिटीज और दूसरी गंभीर बीमारियों में मदद करती हैं। अब गरीब लोग भी इलाज करवा सकते हैं। एक दिन उसके भतीजे ने उसे एक सोने के बर्तन की तस्वीर दी और बोला, "इसे दवा बनाने में लगाओ।" यह किरण का वादा बन गया। आज किरण मजूमदार-शॉ भारत की सबसे सफल महिला वैज्ञानिकों और उद्यमियों में से एक हैं।

आज किरण मजूमदार-शॉ भारत की सबसे सम्मानित महिला उद्यमियों में से एक हैं। उनकी कहानी हर बच्चे को यह सिखाती है:बड़े सपने देखो, हिम्मत रखो, और अपनी जिज्ञासा को कभी मत छोड़ो।

READ MORE STORIES ON
www.bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/
https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/